NEWS CLIPPING: 08.02.2018

PUNJAB KESARI

'भागिनी निवेदिता का योगदान अविस्मणीय'

फरीदाबाद, 7 फरवरी (ब्यूरो) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा' भागिनी निवेदिता के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकता, लेखिका तथा शिक्षक एवं स्वामी विवेकानंद की शिष्या भागिनी निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विज्ञान भारती के संगठन सचिव तथा वैज्ञानिक डॉ. जयंत सहस्त्रबुद्धे रहे तथा इस अवसर पर विज्ञान भारती (हरियाणा) के संरक्षक प्रो. आरएम प्रसाद जैसवाल तथा अध्यक्ष प्रो. रंजना अग्रवाल भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय द्वारा अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोलर लाइट जलाकर कार्यक्रम के प्रारंभ कर एक नई शुरूआत की गई।

अपने मुख्य वक्तव्य में डॉ. सहस्त्रबुद्धे ने स्वामी विवेकानंद के दर्शनशास्त्र से प्रभावित आयरिश मूल की मार्गरेट एलिजाबेथ नोबेल के भागिनी निवेदिता बनने के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रिटिशकाल में उपेक्षा का शिकार रहे प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के शोध कार्यों को पाश्चात्य जगत में पहचान व सम्मान दिलाने में भागिनी निवेदिता की अहम भूमिका निभाई।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 08 February 2018
epaper.punjabkesari.in//c/26078536

वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद, 7 फरवरी (ब्यूरो): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा आज भारत विकास परिषद् की फरीदाबाद शाखा तथा रैडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों विशेष रूप से लड़कियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में रक्तदाता का हौंसला बढ़ाते हुए।

रक्तदान शिविर में 250 से अधिक विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, समाज सेवी श्री गंगा शंकर मिश्र तथा भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष अशोक गोयल, सचिव डॉ. सुनील गर्ग, संगठन सचिव राज कुमार अग्रवाल, सज्जन जैन, अजय गौड़ तथा रेडक्रॉस सोसाइटी, फरीदाबाद के सचिव बी बी कथुरिया की उपस्थिति में हुआ।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, 08 February 2018
epaper.punjabkesari.in//c/26078604

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 08.02.2018

PUNJAB KESARI

देश में वैज्ञानिक शोध को प्रोत्साहन मिला

फरीदाबाद, राकेश देव ब्यूरो चीफ(पंजाब केसरी): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा भागिनी निवेदिता के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता लेखिका तथा शिक्षक एवं स्वामी विवेकानंद की शिष्या भागिनी निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। इस दौरान विज्ञान भारती के संगठन सचिव तथा वैज्ञानिक डॉ जयंत सहस्त्रबुद्धे मुख्य वक्ता रहे तथा स्वामी विवेकानंद के जीवन वृतांत के माध्यम से भागिनी निवेदिता द्वारा भारत में आधुनिक विज्ञान के विकास में योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा के संरक्षक प्रो आर एम प्रसाद जैसवाल तथा अध्यक्ष प्रो रंजना अग्रवाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से ज्योति प्रज्वलन द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोलर लाइट जलाकर कार्यक्रम के प्रारंभ कर एक नई शुरूआत की गई। अपने मुख्य वक्तव्य में डॉ सहस्त्रबुद्धे ने स्वामी विवेकानंद के दर्शनशास्त्र से प्रभावित आयरिश मूल की मागरिट एलिजाबेथ नोबेल के भागिनी निवेदिता बनने के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रिटिशकाल में उपेक्षा का शिकार रहे प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के शोध कार्यों को पाश्चात्य जगत में पहचान व सम्मान दिलाने में भागिनी निवेदिता की अहम भूमिका निभाई। उन्होंने डॉ बसु की वैज्ञानिक सहायक के रूप में उनके शोध पत्रों का लेखन किया तथा पाश्चात्य जगत को भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि भागिनी निवेदिता के प्रयासों से ही देश में जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट आफसाइंस तथा डॉ बोस संस्थान स्थापित की स्थापना हुई जिससे भारत में वैज्ञानिक शोध को प्रोत्साहन मिला। अपने संबोधन में प्रो जैसवाल ने विद्यार्थियों को सामान्य विज्ञान के महत्व के बारे में बताया तथा देश के पहले इंजीनियर के रूप में ख्याति रखने वाले विश्वेश्वरैया गुंडप्पा के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के जीवन का अनुसरण करने के लिए भी प्रेरित किया। प्रोण् रंजना अग्रवाल ने व्याख्यान के लिए चयनित विषय को विश्वविद्यालय के संदर्भ में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि आधुनिक विज्ञान को भारतीय विज्ञान के संदर्भ में समझने के लिए हमें भारतीय वैदिक सिद्धांतों का समझने की आवश्यकता है। उन्होंने विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान के बीच जुड़ाव पर भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने बताया कि भारतीय विज्ञान को वैश्विक पहचान दिलाने प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के सम्मान में ही वाईएमसीए विश्वविद्यालय का नाम ष्जे सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयष् रखने का निर्णय लिया गया है और नामकरण की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जिसका नामकरण किसी वैज्ञानिक के नाम पर किया जा रहा है।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ जयंत सहस्त्रबुद्धे संबोधित करते हुए।(छाया:राकेश देव)

DAINIK JAGRAN

भगिनी निवेदिता की जयंती पर व्याख्यान आयोजित

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की शिष्या भगिनी निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा राष्ट्र के निर्माण में इंजीनियरों की भूमिका विषय पर आधारित थी। विज्ञान भारती के संगठन सचिव डॉ.जयंत सहस्त्रबुद्धे ने भगिनी निवेदिता द्वारा भारत में आधुनिक विज्ञान के विकास में योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा के संरक्षक प्रो. आरएम प्रसाद जायसवाल तथा अध्यक्ष प्रो.रंजना अग्रवाल भी उपस्थित थी। डॉ. जयंत सहस्त्रबुद्धे ने स्वामी विवेकानंद के दर्शन शास्त्र से प्रभावित आयरिश मूल की मारग्रेट एलिजाबेथ नोबेल के भगिनी निवेदिता बनने के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रिटिशकाल में उपेक्षा का शिकार रहे प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के शोध कार्यों को पाश्चात्य जगत में पहचान व सम्मान दिलाने में भागिनी निवेदिता की अहम भूमिका निभाई। उन्होंने डॉ.बसु की वैज्ञानिक सहायक के रूप में उनके शोध पत्रों का लेखन किया तथा पाश्चात्य जगत को भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान से परिचित करवाया।

प्रो.आरएम जायसवाल ने विद्यार्थियों को सामान्य विज्ञान के महत्व के बारे में बताया तथा देश के पहले इंजीनियर के रूप में ख्याति रखने वाले विश्वेश्वरैया गुंडप्पा के जीवन पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि भारतीय विज्ञान को वैश्विक पहचान दिलाने प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के सम्मान में ही वाईएमसीए विश्वविद्यालय का नाम जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय रखने का निर्णय लिया गया है और नामकरण की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 08.02.2018

DAINIK JAGRAN

शिविर में 250 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ

वाईएमसीए के कुलपति प्रो.दिनेश कुमार व छात्र-छात्राएं रक्तदान करते हुए ● जागरण

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों विशेष रूप से छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर में 250 से अधिक विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, आरएसएस के प्रांतीय सह संपर्क प्रमुख गंगा शंकर मिश्र तथा रेडक्रास सोसाइटी, फरीदाबाद के सचिव बीबी कथूरिया की उपस्थिति में हुआ। कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते रहे।

HINDUSTAN

रक्तदान शिविर में 250 यूनिट रक्त एकत्रित

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को भारत विकास परिषद् और रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का अयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने रक्तदान किया। जिसमें करीब 250 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. संजय शर्मा, गंगा शंकर मिश्र, अशोक गोयल, डॉ. सुनील गर्ग, राज कुमार अग्रवाल, सज्जन जैन, अजय गौड़ बीबी कथुरिया आदि मौजूद रहे। इस मौके पर सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 08.02.2018

HINDUSTAN

भागिनी निवेदिता का योगदान अहम

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग ने स्वामी विवेकानंद की शिष्या भागिनी निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विज्ञान भारती के संगठन सचिव और वैज्ञानिक डॉ. जयंत सहस्त्रबुद्धे ने बतौर मुख्यातिथि स्वामी विवेकानंद के जीवन वृतांत के माध्यम से भागिनी निवेदिता द्वारा भारत में आधुनिक विज्ञान के विकास में योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इसमें विज्ञान भारती के संरक्षक प्रो. आरएम प्रसाद जैसवाल, अध्यक्ष प्रो. रंजना अग्रवाल भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय द्वारा अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोलर लाइट जलाकर कार्यक्रम शुरू करने की नई शुरूआत की गई।

डॉ. सहस्त्रबुद्धे ने स्वामी विवेकानंद के दर्शनशास्त्र से प्रभावित आयरिश मूल की मार्गरेट एलिजाबेथ नोबेल के भागिनी निवेदिता बनने के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता है।

शोध पत्र लेखन

उन्होंने डॉ. बसु की वैज्ञानिक सहायक के रूप में उनके शोध पत्रों का लेखन किया तथा पाश्चात्य जगत को भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि भागिनी निवेदिता के प्रयासों से ही देश में जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस तथा डॉ. बोस संस्थान स्थापित की स्थापना हुई। प्रो. जायसवाल ने सामान्य विज्ञान के महत्व के बारे में बताते हुए देश के पहले इंजीनियर के रूप में ख्याति रखने वाले विश्वेश्वरैया गुंडप्पा के जीवन पर प्रकाश डाला।

DAINIK BHAKSAR

निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

फरीदाबाद | वाईएमसीए विश्वविद्यालय में 'भागिनी निवेदिता के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। यह व्याख्यान प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, लेखिका व शिक्षक स्वामी विवेकानंद की शिष्या भागिनी निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस दौरान विज्ञान भारती के संगठन सचिव व वैज्ञानिक डॉ. जयंत सहस्त्रबुद्धे मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। डॉ. सहस्त्रबुद्धे ने स्वामी विवेकानंद के दर्शनशास्त्र से प्रभावित आयरिश मूल की मार्गरेट एलिजाबेथ नोबेल के भागिनी निवेदिता बनने के बारे में बताया।

NEWS CLIPPING: 08.02.2018

NAVBHARAT TIMES

खास खबर

वाईएमसीए में हुआ व्याख्यान का आयोजन

■ वस, फरीदाबाद :

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'भागिनी निवेदिता के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, लेखिका तथा शिक्षक एवं स्वामी विवेकानंद की शिष्या भागिनी निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने की।

इस अवसर पर विज्ञान भारती (हरियाणा) के संरक्षक प्रफेसर आरएम प्रसाद जैसवाल तथा अध्यक्ष प्रफेसर रंजना अग्रवाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्योति प्रज्वलन द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा अक्षय ऊर्जा संसाधनों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोलर लाइट जलाकर कार्यक्रम को प्रारंभ कर एक नई शुरुआत की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति दिनेश कुमार ने बताया कि भारतीय विज्ञान को वैश्विक पहचान दिलाने प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के सम्मान में ही वाईएमसीए विश्वविद्यालय का नाम 'जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय' रखने का निर्णय लिया गया है और नामकरण की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 08.02.2018

NAVBHARAT TIMES

विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

■ **वस, फरीदाबाद** : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा बुधवार को भारत विकास परिषद की फरीदाबाद शाखा तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्टूडेंट्स ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर में 250 से अधिक विद्यार्थियों, कर्मचारियों व संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया और स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, समाज सेवी गंगा शंकर मिश्र की उपस्थिति में हुआ। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गए।

AMAR UJALA

'राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर की भूमिका' पर सेमिनार

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

इसमें 'राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका' विषय पर चर्चा की गई। यह व्याख्यान स्वामी विवेकानंद की शिष्या भागिनी निवेदिता की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। सेमिनार में विज्ञान भारती के संगठन सचिव और वैज्ञानिक डॉ. जयंत सहस्त्रबुद्धे मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा के संरक्षक प्रो. आरएम प्रसाद जैसवाल और अध्यक्ष प्रो. रंजना अग्रवाल भी उपस्थित रहे। अपने मुख्य वक्तव्य में डा. सहस्त्रबुद्धे ने स्वामी विवेकानंद के दर्शनशास्त्र से प्रभावित वृतांत पर कहा कि ब्रिटिशकाल में उपेक्षा का शिकार रहे प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु के शोध कार्यों को पाश्चात्य जगत में पहचान दिलाने में अहम भूमिका रही। ब्यूरो